भारत सरकार **लोक सभा**

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं. 3764**

वाणिज्य विभाग

दिनांक 12 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

रबड़ का आयात

3764. श्री शफी परम्बिल:

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को रबड़ की कम कीमत के बारे में जानकारी है जिससे देश में बड़ी संख्या में रबड़ किसान प्रभावित होते हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) देश में रबड़ की कीमत में लगातार गिरावट के क्या कारण है;

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत में आयातित प्राकृतिक रबड़ का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार की किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) घोषित करने की कोई योजना है; और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जितिन प्रसाद)

(क) और (ख) वर्ष 2024-25 के दौरान कोट्टायम, केरल में प्राकृतिक रबड़(आरएसएस 4 ग्रेड) का औसत मूल्य ₹199.85 प्रति किलोग्राम था, जबकि वर्ष 2023-24 के दौरान औसत मूल्य ₹155.72 प्रति किलोग्राम था, जो 28.33% की वृद्धि है।

(ग) पिछले तीन वर्षों में भारत में आयातित प्राकृतिक रबड़ की मात्रा निम्नवत है:

प्राकृतिक रबड़ का आयात	
वर्ष	मात्रा (टन)
2022 - 2023	528,677
2023 - 2024	492,682
2024 -2025	550,918

(घ) और (ङ) सरकार, राज्य सरकारों और संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों के विचारों पर विचार करने के उपरांत, कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिशों के आधार पर 22 अधिदेशित कृषि फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) निर्धारित करती है। इन 22 अधिदेशित फसलों में 14 खरीफ फसलें, अर्थात् धान, ज्वार, बाजरा,मक्का, रागी, तुअर (अरहर), मूंग, उड़द, मूंगफली, सूरजमुखी के बीज, सोयाबीन, तिल, नाइजरसीड, कपास, और 6 रबी फसलें, अर्थात् गेहूं, जौ,चना, मसूर, रेपसीड/सरसों, कुसुम और दो वाणिज्यिक फसलें, अर्थात् जूट और खोपरा, शामिल हैं।

*****